भागवत कथा – 18

पल्लवी पाण्डे

लखनऊ की 22 वर्ष की पल्लवी पाण्डे ने 12वीं कक्षा पास होने के बाद मेडिकल के क्षेत्र में अपना करियर बनाना निश्चित किया था और उस ओर कदम बढ़ाते हुए उसने एन्ट्रेन्स एक्ज़ाम भी दिया था। रिज़ल्ट डिक्लेयर होने से पहले ही पल्लवी पाण्डे अपनी पढ़ाई छोड़कर आध्यात्मिक पढ़ाई पढ़ने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की तरफ तन और मन से भागी और शुरू हुई एक नई भागवत कथा।

Bhagawat Story -18

PALLAVI PANDEY:

Miss Pallavi Pandey aged 22 years, has appeared for entrance for Medical after completion of her 12th standard in her line of interest. However, prior to the announcement of the results, she left for Adhyatmik Vishwa Vidyalaya with determination to dedicate her body, mind and intellect on spiritual line and there started a new story Bhagawat.

पल्लवी के पिताजी किसी अन्य धार्मिक शिक्षा पर आस्था रखने वाले थे; इसलिए उन्होंने पल्लवी का आध्यात्मिक विश्वविद्यालय की शिक्षा ग्रहण करने के लिए हमेशा विरोध किया। जब स्त्री के धर्म-ज्ञान लेने की बात आती है, तब भारतीय संविधान में प्रदान किए गए धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार को इस पुरुष प्रधान संस्कृति में हमेशा कुचला जाता है। ऐसा ही कुछ हो रहा था पल्लवी के साथ भी; लेकिन हिम्मत-ए-बच्चे, मदद-ए-बाप(भगवान)।

Her father always stood in her way and interests towards Adhyatmik Vishwa Vidyalaya for the reason that he is interested in some other organization. The culture of male domination, as the history of tradition continues, always crushed the interests of the women in their way towards spiritual advancement and knowledge, despite the fact that the Indian Constitution has accorded various rights to women, religious freedom being one of them.

The same was happening for Pallavi also. The Supreme God Father always stands beside; with helping hand for those who dares.

पल्लवी ने हिम्मत की और अपने माता-पिता के बंधनों को तोड़कर अपनी स्वेच्छा से दिनांक 10.05.2016 को वह विजयविहार स्थित आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दाखिल हुई और अपने उक्त निर्णय को बयाँ करते हुए उसने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में शपथ-पत्र सौंपा तथा आने से पहले पल्लवी ने दिनांक 09-05-2017 को थाना प्रभारी, गुडंबा पुलिस थाना व SSP, Lucknow को पत्र लिखकर यह सूचित किया कि वह अपनी स्वेच्छा से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में शिक्षिका के रूप में दाखिल होने जा रही है।

Pallavi , has dared to join the Adhyatmik Vishwa Vidyalaya, Vijaya Vihar, Delhi on 10th May, 2016 to fulfill her wish; leaving alone the restrictions imposed by her parents. Still, she was cautious enough to intimate her decision to join the "AVV" at her will and pleasure; on 9th May, 2017 to S.H.O., Gundba Polici Station as well S.S.P, Lucknow. As she joined with "AVV" , she has also intimated the same to the S.H.O., Vijaya Vihar Police Station on the very next day. She has submitted an affidavit indicating her intentions to "AVV".

उसके बाद पल्लवी के माता-पिता व अन्य रिश्तेदारों ने विजयविहार, दिल्ली आध्यात्मिक विश्वविद्यालय आकर पल्लवी के ऊपर दबाव बनाकर व धमकाकर उसे ज़ोर-ज़बरदस्ती ले जाने की कोशिश की; लेकिन पल्लवी अंगद के समान अपने निर्णय पर अचल, अडोल व अडिग रही। पल्लवी के पिताजी के द्वारा बार-2 फोन करके उसे डरा-धमका कर मानसिक रूप से प्रताड़ित किया गया।

Despite the fact that her parents and relatives used to visit her at "AVV", Vijaya vihar and threaten her to take her back to their home ; Pallavi remained stable like Angad without bending herself before their pressures. Even her father has threatened her frequently and put in all his efforts to cause disturbance in her peaceful living.

दिनांक 27-05-2017 को पल्लवी के पिता रमेशचंद्र पाण्डे, माता, नाना-नानी व भाई-बहन पल्लवी से मिलने आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में आए और पल्लवी के पिता ने पल्लवी को विद्यालय के बारे में झूठी अफ़वाहें सुनाकर उसे ज़ोर-ज़बरदस्ती घर ले जाने का प्रयास भी किया। पल्लवी के पिताजी ने अवांछनीय तत्वों का सहयोग लेकर आध्यात्मिक विद्यालय के ऊपर हमला करने की धमकियाँ भी दीं।

Pallavi's father Ramesh Chandra Pandey, her mother, her brothers and sisters, grandparents again visited on 27th May, 2017 and attempted to instill rumors in respect of "AVV" where she was staying. Finding no response from daughter, he has threatened to raid the "AVV" with the help of goons.

पिता के उपरोक्त दुर्व्यवहार से पीड़ित होकर मजबूरन पल्लवी ने दिनांक 28.05.2017 को अपने माता-पिता व परिवारजन के खिलाफ SHO, Vijayvihar Police Station व DCP, रोहिणी को शिकायत दर्ज की व सुरक्षा की गुहार लगाई; लेकिन पल्लवी के पिता ने तो हद ही पार कर दी और दिनांक 31.05.2017 को उच्च अधिकारियों को एक झूठी शिकायत दर्ज की, जिसमें आध्यात्मिक विश्वविद्यालय के लोगों द्वारा उनकी बेटी को अपहरण करने का आरोप लगाया और यह भी आरोप लगाया कि इस विद्यालय में और भी कई लड़कियों को बंधक बनाकर रखा गया है व उन सभी को ब्लैकमेल कर प्रताड़ित किया जाता है।

Frustrated with the attitude of her father, it became inevitable for Pallavi to lodge a complaint on 28th May 207 against her parents and relatives , with the S.H.O., S.H.O OF Vijaya Vihar Police Station, as well with D.C.P ., Rohini and requested for protection. Pallavi's father in turn crossed all the limits of relations and decencies and made complaints with the higher authorities that her daughter was kidnapped and held under captivity by some persons relating to "AVV". He has also complained that a number of girls were held with the "AVV" in captivity and are being blackmailed and harassed.

उपरोक्त शिकायत पर दिनांक 24.06.2017 को इंस्पेक्टर विप्नेश तोमर द्वारा कार्यवाही करते हुए पल्लवी के बयान दर्ज किए और यह पाया गया कि वह 22 साल की वयस्क कन्या है और उसने अपनी मर्ज़ी से आध्यात्मिक विश्वविद्यालय में दाखिला लिया है व वह अपनी स्वेच्छा से ही विद्यालय में रह रही है और उसे व्यर्थ ही उसके माता-पिता द्वारा परेशान किया जा रहा है।

In response to the complaints made by Pallavi's father, Inspector Vipnesh Tomar of Vijaya Vihar Police Station, has investigated the matter. Finally, he has recorded statement from Pallavi and found that she is a major aged 22 yrs and is joined "AVV" at her will and pleasure and for no valid reasons her parents were unnecessarily harassing her. And the complaints made by her father remained a futile exercise.

सच में यह समाज की कैसी रीति है, जहाँ नारियों को दिन-रात शोषित किया जाता है, ऐसे कोसघर समाज में पनप रहे हैं; लेकिन उनके ऊपर प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की जा रही; लेकिन जहाँ नारियों द्वारा अपने धार्मिक स्वतंत्रता के अधिकार का प्रयोग करते हुए, नैतिक मूल्यों और पवित्रता के ज्ञान को समाज में फैलाने का अलौकिक कार्य किया जा रहा है, ऐसे शिवालयों को कुछ असामाजिक तत्वों द्वारा गंदे और झूठे आरोपों की दलदल में फँसा कर बदनाम किया जा रहा है !

Can't digest; to which direction, the society, the culture of the society is travelling; where the system remains weak, and the women are harassed day and night and no suitable remedies could be taken by the Government to arrest the degrading moralities. Moreover, the girls and women who are dedicated to revitalize the society by spreading the knowledge of Purity and confinement for a peaceful universe establishing Temples of Shiva; the one and only benefactor; are continuously humiliated and implicated in false rumors and raunchy complaints. Can't digest; to which direction, the society, the moralities and the culture of the society is travelling. Despite the rumors, complaints, humiliations and hurdles; whatever may be arising in the way, the Bhagawat continues breaking all the breakers.

Grievance Details

Registration Number	: **MINHA/E/2017/03629**
Registration Date	: **31 May 2017**
Complainant's Name	: Ramesh Chandra Pandey
Grievance Category	: Miscellaneous
Letter No & Date	: ,5/31/2017 12:00:00 AM
Client Status	: General Public
Address	: 2-767 sector H janakipuram lucknow, -226021
State/UT	: Uttar Pradesh
District	: Lucknow
Contact No.	: ,919415080083
E-mail ID	: geniusbiomedical@gmail.com

Grievance Description :

My daughter Pallavi Pandey age 22 yrs was kidnapped from lucknow by people of Ishwariya Adhyatmic Vishwavidyalaya and she is confined in 351,352-phase first block A Vijay Vihar Rithala New Delhi -110085. Not only she but many other girls are confined there,tortured,blackmailed and abused.When we visit her she is only allowed for few minutes in presence of their own people. The people who run this organization has criminal record and many criminal cases are pending against head of this organization. I seek the help so that not only the life and dignity of my daughter but of other girls are protected. These girls first should be rescued from the cluches of these criminals,kept under government supervision,councelled and then restored to their parents. With regrds. Thanking you Your's sincerly Ramesh Chandra Pandey.

DOCUMENTS RELEASED UNDER RTI ACT-2005

मैं पल्लवी पाण्डेय D/O रमेश चन्द्र पाण्डेय, 351-352 रोहिणी.
Sec-5 दिल्ली विजयविहार रिठाला. उम्र - 22 साल.
मैं ऊपर लिखे पते पर रहती हूँ, आध्यात्मिक ज्ञान प्राप्त करती
हूँ। मेरी D.O.B 1.05.1995 है। मैंने अपनी इच्छा से
आध्यात्मिक विश्व विद्यालय join किया है। मुझे यहां किसी ने
ज़बरदस्ती कभी नहीं किया। इस विद्यालय को join करने से
पहले, हमने अपने मात-पिता को सूचित किया था। परंतु वे मेरे माता-पिता
इस विद्यालय को join करने के against थे। मेरे नाना, नानी, बहन, भाई मुझसे 351-352 में मिलने आए थे
तो ही मैंने उनसे मुलाकात की थी और अपनी इच्छा बताई
थी। मैं अपनी इच्छा से 351-352 फेस-I मे रह रही हूँ,
मुझे व्यर्थ ही मेरे माता पिता द्वारा परेशान किया जा रहा है।
ये बयान मैं बिना किसी दबाव के अपनी इच्छा से लिख रही हूँ.

Pallavi

पल्लवी पाण्डेय
२४/6/2017

DOCUMENTS RELEASED
UNDER RTI ACT-2005

विषय - TC दिनांक 15/6/17 की अर्जी के जवाब।

श्रीमान जी,

सविनय निवेदन है कि शिकायत कर्ता रमेश चन्द पांडे ने इस विद्यालय की [illegible] अपनी बेटी पल्लवी उम्र 22 साल की [illegible] विद्यालय द्वारा [illegible] करने व A-351, 352 [illegible] जन्म तिथि में बदल करते हुए थी।

Enquiry के दौरान कुमारी पल्लवी पांडे ने लिखित में दिया है कि उसने [illegible] अपनी मर्जी से join किया थी उसकी date of birth 1.5.95 है। पल्लवी ने अपनी date of birth की फोटो को जो [illegible] फाइल ही सबूत के [illegible] file करके दाखिल निवेदन है उपरोक्त शिकायत को दाखिल दफ्तर करने का निर्देश दिया जाये।

DOCUMENTS RELEASED UNDER RTI ACT-2005

[illegible]
[illegible]
27/6/17

संलग्न कागजात
① बयान पल्लवी पांडे 1 pp
② फोटो कॉपी age proof 1 pp